vinetur

# अमेरिकी शुल्कों से सबसे बड़े बाजार पर दबाव, Cavit का वित्त वर्ष का राजस्व 6.3% घटा

इतालवी वाइन समूह ने ऊर्जा की बढ़ती लागत और वैश्विक मांग में संरचनात्मक गिरावट का भी हवाला दिया ; शुद्ध लाभ बढ़कर €4.2 मिलियन हुआ

बुधवार, 25 नवंबर 2026



ANSA के अनुसार, इतालवी वाइन समूह Cavit ने मंगलवार को बताया कि अमेरिकी शुल्कों, ऊर्जा की बढ़ती लागत और वैश्विक वाइन मांग में संरचनात्मक सुस्ती के चलते वित्त वर्ष 2025/2026 में उसका समेकित राजस्व 6.3% घटकर €227.5 मिलियन रह गया।

कंपनी ने कहा कि कमजोर नतीजे की लगभग पूरी वजह अमेरिकी बाजार रहा, जो उसका सबसे बड़ा बाजार है। प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण पिछले वित्त वर्ष की तुलना में अधिकांश गिरावट इसी बाजार से आई। Cavit Sc और उसकी सहायक कंपनियों Glv Srl तथा Kessler Sekt & Co. KG के खातों को शेयरधारकों की सभा ने मंजूरी दे दी।

बिक्री में गिरावट के बावजूद, समेकित शुद्ध लाभ पिछले वर्ष के मुकाबले मामूली बढ़कर €4.2 मिलियन हो गया। Cavit ने कहा कि कारोबार में संकुचन के बावजूद शुद्ध आय राजस्व का 1.8% रही, जिसे उसने समूह के ऐतिहासिक औसत के अनुरूप बताया।

बैलेंस शीट में पूंजी की मजबूती बरकरार दिखी। समेकित इक्विटी बढ़कर €127.7 मिलियन हो गई, जो सालाना राजस्व के आधे से अधिक है। निवेश के चलते शुद्ध वित्तीय स्थिति थोड़ी घटकर €41.8 मिलियन रह गई, जबकि बैंक ऋण का समूह का उपयोग सीमित रहा और वर्ष के दौरान इसमें और कमी आई।

Cavit के अध्यक्ष Lorenzo Libera ने कहा कि कंपनी ने इस क्षेत्र के लिए मुश्किल वर्ष के दौरान 5,250 से अधिक सदस्य अंगूर उत्पादकों की आय की रक्षा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि समूह का पूंजी आधार मजबूत होने से बाजार के अधिक चुनौतीपूर्ण दौर में भी उसे अंगूर के बागों में किए गए काम का मूल्य बनाए रखने के साधन मिलते हैं।

ये नतीजे निर्यात पर निर्भर पेय उत्पादकों, खासकर अमेरिका में उल्लेखनीय कारोबार रखने वाली वाइन कंपनियों पर पड़ रहे दबाव को उजागर करते हैं। व्यापक पेय उद्योग के लिए ये आंकड़े संकेत देते हैं कि शुल्क, अमेरिका में कमजोर मांग और परिचालन लागत में बढ़ोतरी राजस्व पर असर डाल सकती है, भले ही कंपनियां मार्जिन बनाए रखें और वित्तीय स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रखें।

Cavit का प्रदर्शन व्यापार नीति से आगे बढ़कर वाइन उत्पादकों के सामने मौजूद व्यापक समस्या को भी दर्शाता है। कंपनी ने वैश्विक वाइन मांग में उस गिरावट का उल्लेख किया जिसे उसने संरचनात्मक बताया। यह संकेत है कि मात्रा पर दबाव किसी एक बाजार या लागत में अस्थायी उछाल तक सीमित नहीं रह सकता। कमजोर खपत के रुझानों से निपटते हुए उत्पादकों का ध्यान कीमतों, लागत नियंत्रण और वित्तीय मजबूती पर बना रह सकता है।